मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग में उप मंत्री कुमारी शैलेजा) :

(क)	वर्ष	प्रकाशित पुस्तकों की संख्या
	1989–90	12
	1990–91	12
	1991–92	15

(ख) और (ग) उक्त अवधि के दौरान 10,61744.00 रुपये के खर्च की तुलना में कुल बिक्री से 87,257.45 रुपये की प्राप्ति हुई थी ।

केन्द्रीय विद्यालयों में उर्दू का अध्ययन

1687. **मो० अफजल उर्फ भीम अफजल** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करें कि :

(क) देश में कुल कितने केन्द्रीय विद्यालय हैं ; और

(ख) इनमें के कितने केन्द्रीय विद्यालयों में उर्दू पढ़ाई जाती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग में) उप मंत्री (कुमारी शैलजा): (क) देश में केन्द्रीय विद्यालयों की कुल संख्या 768 है ।

(ख) उर्दू भाषा, एक विषय के रूप में नहीं पढ़ाई जाती है । तथापि, केन्द्रीय विद्यालयों में बच्चों को क्षेत्रीय भाषा अथवा मातृ भाषा के अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था है, यदि किसी स्कूल में 20 या उससे अधिक छात्र, एक भाषा (उर्दू सहित) के अध्ययन के इच्छुक हों । जहां भी जरूरत महसूस की जाती है, स्कूल स्तर पर इसकी व्यवस्था स्थानीय तौर से की जाती है ।

गुजरात में युवा विकास केन्द्र की स्थापना

1688. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार दस-दस गांवों के समूहों के लिए युवा विकास केन्द्र स्थापित करने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और इन केन्द्रों में क्या कार्य किए जाने की संभावना है ; और

(ग) गुजरात में किस-किस गांव को इस योजना में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रति 10 गांवों के समूह के लिए एक की दर से 18,000 युवा विकास केन्द्र शुरू करने का सरकार का प्रस्ताव है ।

(ख) युवा विकास केन्द्र ग्रामीण युवाओं के लिए सूचना, खेल, प्रशिक्षण और युवा कार्यक्रमों के लिए सुविधाएं देगा । केन्द्र के लिए भूमि संबंधित पंचायतों द्वारा दान दी जाएगी । प्रत्येक केन्द्र के लिए श्रम योगदान और सामग्री आपूर्ति के जरिये भवन और खेलों की बुनियादी सुविधाएं निर्मित की जाएंगी । अंगभूत गांवों के युवाओं से बनाई गई युवा समिति द्वारा प्रत्येक केन्द्र का प्रबंध किया जाएगा । प्रचालन और रखरखाव खर्च समिति द्वारा उगाहा जाएगा ।

(ग) चूंकि यह वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता से संबंधित है, अतः स्थापित किए जाने वाले युवा विकास केन्द्रों की संख्या तथा जिन गांवों के लिए यह होंगे, के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है । तथापि, सरकार इस वर्ष शुरुआत करने के लिए इच्छुक है । यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में युवा केन्द्र समान रूप से बनाए जाएं ।